कामये दुरवतप्राणाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष:63 अंक-12 मुम्बई नवम्बर 2019

लोकसभा अध्यक्ष द्वारा संसद भवन में खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

150 वीं जयंती पर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 63 अंक-11 मुंबई अक्टूबर 2019

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में

समाचार सार ..... 3 से 19

माननीय लोकसभा अध्यक्ष द्वारा संसद भवन में खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन.....

खादी द्वारा पानी की प्लास्टिक बोतलों के स्थान पर बांस निर्मित बोतलों की शुरुआत .....

भुवनेश्वर में केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम राज्य मंत्री ने जन शिक्षण कार्यक्रम पर एक दिवसीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की.....

गोवा में खादी द्वारा रोज़गार सृजन की नई पहल.....

आयोग के अध्यक्ष ने केवडिया में खादी भवन का उद्घाटन किया.....

महात्मा गांधी की 150 वर्ष की जयंती देश भर में बहुत श्रद्धा के साथ मनाई गई .....

आयोग को गेल से लगभग ६ करोड़ रुपये के नए ऑर्डर प्राप्त हुए.....

आयोग ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती वर्ष को एक अनोखे तरीके से मनायी.....

प्रमुख खादी इंडिया स्टोर में 127.57 लाख रु. की रिकॉर्ड बिक्री.....

भूटान में खादी ने इतिहास रचा .....

खादी कारीगरों के लिए मोदी सरकार का दिवाली उपहार.....

अगरबत्ती निर्माताओं ने इस वर्ष सही मायने में दिवाली मनाई.....

प्रेस कवरेज .....20 से 27

माननीय लोकसभा अध्यक्ष द्वारा संसद भवन में खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन

खादी इंडिया, बिक्री आउटलेट, 24, रीगल बिल्डिंग, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली द्वारा संसद भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में खादी प्रदर्शनी का आयोजन 2 अक्टूबर से 4 अक्टूबर, 2019 तक किया गया।

माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने 2 अक्टूबर, 2019 को खादी और ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष ने खादी सूत की माला और रेशम अंगवस्त्रम भेंट कर उनका स्वागत किया।माननीय लोकसभा अध्यक्ष ने पारंपरिक दीप जलाकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

उन्होंने संसद भवन एनेक्सी में इस प्रदर्शनी के आयोजन के लिए केवीआईसी के प्रयासों की सराहना की और आशा की कि इससे न केवल संसद सदस्यों के साथ-साथ संसद भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में काम करने वाले अन्य अधिकारियों के बीच खादी के प्रति जागरूकता पैदा होगी। उन्होंने बिक्री के लिए प्रदर्शित किए गये खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की भी सराहना की।

इस 3 दिनों की प्रदर्शनी के दौरान, खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की कुल 3,08,000 रुपये की बिक्री हुई।

पूर्व में, इस प्रदर्शनी के आयोजन के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उत्तर क्षेत्र) और निदेशक/प्रबंधक,

खादी भवन, दिल्ली के साथ 23.09.2019 को संसद भवन एनेक्स, नई दिल्ली का दौरा किया और उन्होंने संसद भवन एनेक्स, नई दिल्ली के अतिरिक्त सचिव अभिजीत कुमार के साथ चर्चा की। चर्चा के दौरान यह निर्णय लिया कि गांधीजी के 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खादी भवन, दिल्ली 2 अक्टूबर, 2019 से 4 अक्टूबर, 2019 तक में संसद भवन एनेक्स, नई दिल्ली में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की प्रदर्शनी करेगी।

तदनुसार, खादी भवन, दिल्ली ने 2 अक्टूबर 2019 से 4 अक्टूबर, 2019 तक संसद भवन एनेक्स, नई

दिल्ली के प्रथम तल में प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें प्रमुख उत्पादों के साथ-साथ राष्ट्रीय ध्वज, गांधी धोती, गांधी टोपी, खादी वस्त्र, खादी के तैयार वस्त्र, मोदी कुर्ते, मोदी जैकेट्स, पैठनी साड़ी, स्टोल, शॉल, अन्य कुर्ते पायजामा, रेडीमेड, रेशम के टाई, चरखा, नैपकीन सेट, उपहार बॉक्स, खाद्य पदार्थ, शहद, हर्बल प्रसाधन सामग्री इत्यादि प्रदर्शित किए गए।

खादी द्वारा पानी की प्लास्टिक बोतलों के स्थान पर बांस निर्मित बोतलों की शुरुआत

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने देश में व्यापक स्तर पर 2 अक्टूबर से महात्मा गांधी के 150 वर्षगांठ का जश्न मनाने की योजना बनायी और 2 अक्टूबर को कई नए उत्पादों की शुरुआत की जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप है।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 1 अक्टूबर को देश के विभिन्न हिस्सों में खादी संस्थाओं द्वारा बांस से निर्मित अद्वितीय पानी की बोतल, कच्ची घानी, सरसों का तेल और सैनिटरी नैपकिन का शुभारंभ किया।

बांस से निर्मित पानी की बोतलें अगरतला, त्रिपुरा में स्थित संस्थाओं द्वारा निर्मित की गई है, जिसमें 700 मिलीलीटर से 900 मिलीलीटर पानी की क्षमता है। इसे प्लास्टिक की बोतलों के स्थान पर सही विकल्प के रूप में देखा जा रहा है चूंकि यह प्राकृतिक, लागत प्रभावी, आकर्षक और सबसे अधिक पर्यावरण अनुकूल हैं।

सामान्यतः कच्ची घानी सरसों तेल जो कि 20 वर्ष पूर्व सभी रसोईघरों में एक आम सामग्री हुआ करती थी, किन्तु अब विदेशी ब्रांडों द्वारा डबल और ट्रिपल रिफाइंड तेलों के बाजार में आ जाने के कारण कच्ची घानी सरसों तेल की चमक खो गई है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने इस उद्योग को पुनर्जीवित किया है जो न केवल श्रम

प्रोत्साहन है बल्कि यह स्वास्थ्यवर्धक भी है।

लोकार्पित किये गये कच्ची घानी सरसों तेल की

आपूर्ति हाल ही में जयपुर में स्थापित एक पीएमईजीपी इकाई द्वारा की जा रही है।

लागत प्रभावी सैनिटरी नैपकिन का उत्पादन चंडीगढ़ स्थित एक पीएमईजीपी इकाई द्वारा की जा रही है।

केन्द्रीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने केवीआईसी द्वारा नए उत्पादों को विकसित करने के प्रयासों की सराहना की जो पर्यावरण अनुकूल हैं, लागत प्रभावी और स्वास्थ्यवर्धक हैं। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि इस वर्ष केवीआईसी एक दिन की बिक्री अर्थात 13 अक्टूबर 2018 को 1.25 रुपये की बिक्री के अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देगा। • • •

भुवनेश्वर में केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम राज्य मंत्री ने जन शिक्षण कार्यक्रम पर एक दिवसीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की

जन शिक्षण कार्यक्रम पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), भुवनेश्वर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम राज्य मंत्री ने की, इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम सचिव डा. अरुण कुमार पण्डा भी उपस्थित थे।

गोवा में खादी द्वारा रोज़गार सृजन की नई पहल

गोवा सरकार एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने गोवा में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के उद्देश्य से हाथ मिलाया है। कुछ महीने पूर्व खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय सक्सेना के साथ गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत ने केवीआईसी योजनाओं के माध्यम से विभिन्न रोजगार के अवसरों पर चर्चा की।

गोवा अपने सुरम्य समुद्र तटों, प्राकृतिक परिदृश्यों के लिए जाना जाता है तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के पसंदीदा स्थलों में से एक है, केवीआईसी ने दो महीनों के अंतराल में मोरजिम, ओल्ड गोवा, पंजिम, बिचोलिम, सखाली, मपसा, दाभल और मडगाँव जैसे विभिन्न गांवों में लाभार्थियों की पहचान की और आयोग की खादी ग्रामोद्योगी योजनाओं के तहत कुम्हारी,मधुमक्खी पालन, कताई और पापड़ बनाने में प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस कदम से स्थानीय लोगों को सहायता मिलेगी और उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

गोवा के मुख्यमंत्री ने 19 अक्टूबर को केवीआईसी के अध्यक्ष के साथ संयुक्त रूप से 160 परिवारों को इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील और 50 प्रशिक्षित महिलाओं को न्यू मॉडल चरखे वितरित किए। इससे 700 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। केवीआईसी गोवा में एक लिज्जत पापड़ इकाई भी स्थापित कर रहा है, जो स्थानीय महिलाओं के लिए 200 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन करेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 50 महिलाओं के एक बैच के साथ बातचीत की, जिन्हें हाल ही में पापड़ बनाने का

प्रशिक्षण दिया गया। यहां यह बता दें कि ये पहल गोवा में अपनी तरह की पहली पहल है क्योंकि इससे पूर्व गोवा में कोई भी कताई और बुनाई गतिविधि नहीं थी और कोई लिज्जत पापड़ इकाई भी नहीं थी। यहां पहली बार पारंपरिक पॉटर व्हील की जगह इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स दिये गये जो उत्पादन के मामले में अत्यधिक श्रम गहन और कम कुशल थे। केवीआईसी ने पहले ही 1,000 लोगों को ऐसे ही प्रयासों से रोजगार प्रदान करने में मदद की है। केवीआईसी के अध्यक्ष श्री सक्सेना ने कहा कि केवीआईसी गोवा में वर्तमान वित्त वर्ष में 10,000 नई नौकरियां सृजित करेगा। मुख्यमंत्री श्री सावंत ने प्रसन्नता व्यक्त की और स्थानीय लोगों के लिए निर्धारित समय में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए केवीआईसी को इस अनूठी पहल के लिए धन्यवाद दिया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने वाइब्रण्ट गोवा कार्यक्रम में भागीदार के रूप में भाग लिया और देश भर से विभिन्न खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के प्रदर्शन के लिए 30 स्टाल लगाए। तीन दिनों के आयोजन में 60 लाख रु. की बिक्री रिकॉर्ड की गई।

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसरों का सृजन करने के उद्देश्य से, गोवा सरकार ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग से सहायता मांगी है। गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत ने केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय सक्सेना से राज्य सरकार को रोजगार के अवसरों का सृजन करने और राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने में मदद करने को कहा था, खासकर ग्रामीण इलाकों में जिन्हें अपने सुरम्य समुद्र तटों, प्राकृतिक परिदृश्य और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों पर्यटकों के पसंदीदा स्थलों में से एक के रूप में जाना जाता है, इस कदम से स्थानीय लोगों को सहायता मिलेगी और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। राज्य में पर्यटन सबसे अधिक रोजगार सृजन और राजस्व का स्रोत है। मुख्यमंत्री के अनुरोध के बाद, केवीआईसी के अध्यक्ष ने हाल ही में कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया और 160 इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स, 100 नए मॉडल चरखे और 90 बी बॉक्स वितरित किए। आयोग ने राज्य में प्रसिद्ध लिज्जत पापड़ की एक इकाई भी स्थापित की है।

आयोग ने पूर्व में ही 1,000 लोगों को इन पहलों के साथ रोजगार दिलाने में मदद की। श्री सक्सेना ने कहा कि आयोग का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2019-20 में 10,000 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। केवीआईसी के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि गोवा को अपने स्थानीय उत्पादों के विपणन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे, क्योंकि यह एक पर्यटन स्थल है। देश के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लाखों लोगों को रोजगार के अवसर देते हुए, केवीआईसी 'स्वदेशी' उत्पादों के प्रचार का सबसे बड़ा मंच है और इसकी बढ़ती ब्रांड वैल्यू है।

आयोग के अध्यक्ष ने केवडिया में खादी भवन का उद्घाटन किया

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने नर्मदा जिले के लिबर्टी ऑफ स्टेच्यू, केवडिया स्थित एकता मॉल में खादी भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गरवी गुजरात के प्रबंध निदेशक श्री महेश सिंह, कुटीर आयुक्त, गुजरात सरकार श्री संदीप कुमार , गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के अतिरिक्त सचिव और आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभारी श्री संजय हेडाऊ भी उपस्थित थे।

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती देश भर में बहुत श्रद्धा के साथ मनाई गई

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती देश भर में केवीआईसी द्वारा बहुत श्रद्धा के साथ मनाई गई। स्वदेशी उत्पादों और, विशेष रूप से खादी के प्रति उनका लगाव, बापू को छह शहरों में आयोजित विशेष प्रदर्शनियों के माध्यम से दिखाया गया, जो ऐतिहासिक रूप से महात्मा जैसे पोरबंदर, साबरमती, वर्धा, चंपारण, मुंबई और दिल्ली जैसे स्थल बापू से जुड़े हैं।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने नई दिल्ली के राजघाट में 150 वीं जयंती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंबाला

पोरबंदर

वर्धा

आयोग को गेल से लगभग 6 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर प्राप्त हुए

नई दिल्ली: ऐसा लगता है कि पारंपरिक खादी ने हाल के दिनों में भविष्य का कॉलिंग कार्ड यानी नवाचार को पहचान लिया है और, यह नवाचार एवं परिणामस्वरुप गुणवत्ता रखरखाव का प्रभाव है कि खादी सार्वजनिक उपक्रमों और सरकारी संगठनों से कई थोक ऑर्डर प्राप्त कर रही है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कनॉट प्लेस, नई दिल्ली स्थित प्रमुख स्टोर खादी इण्डिया ने गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) से 23,504 कर्मचारियों के लिए खादी उपहार हेतु लगभग 6 करोड़ रुपये का ऑर्डर प्राप्त किया है।

ओआईएल ने पूरे देश में स्थित अपनी सभी इकाइयों में 23,504 कर्मचारियों में से प्रत्येक को 2,500 रुपये के खादी कूपन उपहारस्वरूप में देने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, कर्मचारी 2,500 रुपये के कूपन से 3,250 रुपये के खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की खरीदी कर सकेंगे। वितरित इन कूपनों से आयोग के सभी विभागीय बिक्री केन्द्रों पर पूरे वर्ष खरीदी की जा सकती है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों के इस तरह के बड़े ऑर्डरों से न केवल कारीगरों की आय में वृद्धि होती है, बल्कि खादी क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और इसके साथ ही यह प्रयास नए उद्यमियों को खादी के साथ बेहतर रोजगार के मार्ग से जुड़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने आगे कहा, "गेल, ओआईएल और बीईई के ऑर्डर, खादी कारीगरों की आजीविका पर निश्चित रूप से प्रभाव डालेंगे और खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र में हजारों नए कारीगरों को जोड़कर अधिकतम रोजगार का सृजन करेंगे और मौजूदा कारीगरों की आय भी बढ़ाएँगे। यह पहल विभिन्न मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के साथ और ज्यादा अभिसरण के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा।"

इस वर्ष की शुरुआत में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कनॉट प्लेस, नई दिल्ली स्थित प्रमुख स्टोर खादी इण्डिया को ऑयल इंडिया लिमिटेड (ऑआईएल)

(शेष पृष्ठ 19 पर)

आयोग ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती वर्ष को एक अनोखे तरीके से मनाया

जैसा कि पूरा देश 'राष्ट्रपिता' की 150 वीं जयंती वर्ष मनाने के लिए तैयार है, इसी क्रम में खादी और ग्रामोद्योग आयोग 2 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2019 तक मुंबई स्थित अपने मुख्यालय परिसर में खादी उत्सव -2019 आयोजित कर साबरमती आश्रम की प्रतिकृति बनाकर महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनायी।

महात्मा गांधी 1917 से 1930 तक साबरमती आश्रम मे ही रहा करते थे। यह आश्रम महात्मा गांधी के वहां रहने के दौरान देश के स्वतंत्रता संग्राम के केंद्र के रूप में काम करता था। गांधीजी ने 12 मार्च, 1930 को आश्रम से ही प्रसिद्ध दांडी मार्च का शुरुआत की थी।

इस अनूठी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने कहा कि गांधी जी द्वारा 1925 में अखिल भारतीय बुनकर संघ के रूप में स्थापित संस्थान ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के रूप में एक विशाल रूप लिया है।

आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि गांधीजी

एकमात्र व्यक्ति थे जो न केवल अपने समय में प्रासंगिक थे, बल्कि आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। "हम सभी महात्मा के आदर्शों को आत्मसात करें और हमारे भीतर के गांधी की खोज करें। हम सब मिलकर महात्मा के सपनों पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि केवीआईसी के तत्वावधान में ग्रामीण रोजगार बढ़ाने और गांवों के उत्थान के लिए सभी हमारे प्रयास में शामिल हों।

महात्माजी की 150 वीं जयंती वर्ष के रूप में मनाने के एक भाग के रूप में; मुंबई समेत देश के 5 अन्य स्थानों पोरबंदर, साबरमती, वर्धा, चंपारण तथा दिल्ली में 2 अक्टूबर से खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनियां आयोजित की गयी। मुंबई में यह बड़ा खादी उत्सव एक महीने की अवधि तक आयोजित हुआ, जिसमें गांधीजी और खादी पर आधारित एक थीम पर खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी लगाई गई, इस प्रदर्शनी में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों /गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया, जिसमें विशेष खादी ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री शामिल है। इस उत्सव में देश की अग्रणी खादी संस्थाओं और पीएमईजीपी इकाइयों ने भाग लिया और ग्रामीण गतिविधियों / प्रक्रिया में उपयोग होने वाली प्रौद्योगिकी का जीवंत प्रदर्शन किया।

बाबू की 150 वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोग ने अपने बिक्री आउटलेट के माध्यम से 40 दिनों की अवधि के लिए खादी कुर्ता, गांधी टोपी और धोती पर 40% और अन्य खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों पर 20% छूट प्रदान की।

प्रमुख खादी इंडिया स्टोर में 127.57 लाख रु. की रिकॉर्ड बिक्री

"खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कनॉट प्लेस, नई दिल्ली स्थित प्रमुख स्टोर खादी इण्डिया ने 2 अक्टूबर को 127.57 लाख रुपये की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज कर, 13 अक्टूबर, 2018 को 125.25 लाख रुपये की अधिकतम बिक्री का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।"

नई दिल्ली: यदि इस वर्ष 2 अक्टूबर को एक ही दिन में खादी उत्पादों का 127.57 लाख रु. (127.57 करोड़ रु.से अधिक) की रिकॉर्ड बिक्री की गई। इस दिन महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती भी थी, दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित प्रमुख स्टोर में यह बात संकेत है और ऐसा प्रतीत होता है कि देश बदल रहा है, अब खादी पहन रहा है।

जबकि कनॉट प्लेस, नई दिल्ली स्थित खादी इंडिया के प्रमुख स्टोर पर खादी उत्पादों की बिक्री इस वर्ष 2 अक्टूबर को केवल एक दिन में 1.27 करोड़ रुपये दर्ज की गई, यह बिक्री आजादी के बाद से अब तक की सबसे अधिकतम बिक्री है। देश भर में खादी उत्पादों पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रत्येक वर्ष 2 अक्टूबर से एक प्रथागत छूट पर बिक्री शुरू की जाती है।

यही नहीं, राजधानी के लगभग सभी खादी शोरूमों में गांधी जयंती पर देर शाम तक काफी भीड़ रही। कुल 16,870 खादी-प्रेमियों ने कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया के प्रमुख स्टोर का दौरा किया। कुल 2,720 बिक्री बिल जारी किए गए। इस अवसर पर 1,27.57 लाख रु. से अधिक की बिक्री हुई, इस बिक्री में खादी का 114.11 लाख रु. और ग्रामोद्योगी उत्पादों का 13.46 लाख रु. का हिस्सा था।

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा, "मैं इस रिकॉर्ड बिक्री से अभिभूत हूं।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, जो व्यक्तिगत रूप से आउटलेट में ग्राहकों की आमद की निगरानी कर रहे थे, ने कहा कि रिकॉर्ड बिक्री इस बात का अंतरण है कि प्रधान मंत्री ने खादी के माध्यम से आर्थिक परिवर्तन के अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से, रचनात्मक रूप से और लगातार कैसे परिलक्षित किया है।

उन्होंने कहा, "खादी की बिक्री की शुरुआत सफलता से हुई है जो बहुत ही बेहद उत्साहजनक है और मुझे उम्मीद है कि इस वर्ष हम इस तरह के कई मील के पत्थर हासिल करेंगे।" उन्होंने खादी को संरक्षण देने के लिए लोगों को धन्यवाद भी दिया।

भूटान में खादी ने इतिहास रचा

भारतीय और भूटानी पारंपरिक वस्त्रों और बुनाई को प्रोत्साहित करने के लिए और दोनों देशों के पारंपरिक कपड़ा कारीगरों और डिजाइनरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के एक दोहरे उद्देश्य के साथ, 16 अक्टूबर, 2019 को भूटान के राजधानी थिम्मू में एक विशेष कार्यक्रम 'खादी- थग्जो' का आयोजन किया गया था।

यह आयोजन संयुक्त रूप से द रॉयल टेक्सटाइल अकादमी, थिम्पू के साथ मिलकर भारत के दूतावास, खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा किया गया था । भारतीय राजदूत रुचिका खंबोज ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य भूटानी डिजाइनरों के साथ भारत के पर्यावरण अनुकूल कपड़े खादी को बढ़ावा देना था, ताकि देश में खादी फुट प्रिंट को बढ़ाया जा सके। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय सक्सेना ने कहा कि खादी का अर्थ- सत्यता,

शुद्धता, ईमानदारी और स्वराज है।

इस विशेष खादी-थग्ज़ो कार्यक्रम का आयोजन आरटीए में किया गया, जो थिम्फू स्थित सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है, इस कार्यक्रम में महामहिम महारानी मदर आशी संगय चोडेन वांगचुक मुख्य अतिथि के रूप में एवं केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, भूटान के प्रधानमंत्री डॉ. लोटे त्शेरिंग, केन्द्रीय मंत्री, राजदूत और कई अन्य गणमान्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

भूटान के पारंपरिक कपड़े थग्ज़ो को खादी के साथ फ्यूज कर, 48 डिज़ाइन बनाए गए थे, जिसे भारत के अनामिका खन्ना, राजेश प्रताप सिंह, सामंत चौहान और भूटान के चद्रिका तमांग, केनगान वांगमो, तशेरिंग चोडेन और सांगे चोदेन जैसे प्रमुख डिजाइनरों द्वारा तैयार किया गया था। इसके अलावा अंजना भार्गव, नितिन बाल चौहान, पारस गहरोलिया, पायल जैन, राहुल मिश्रा और रेणु टंडन ने विशेष खादी पहनावे पर चर्चा की, जो इस कार्यक्रम में बनारसी सात्विक भोज के बाद प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर एफडीसीआई के सुनील सेठी भी मौजूद थे।

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती को मनाने का उद्देश्य दो देशों के बीच फैशन के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा देना है, इस प्रकार समान वस्त्र और बुनाई परंपराओं की पहचान करना और उन्हें बढ़ावा देना है।

दिलचस्प बात यह है कि चार भूटानी वस्त्र डिजाइनर जिन्होंने खादी-थग्जो में अपने काम का प्रदर्शन किया था, वे एफडीसीआई के निमंत्रण पर भारत आए।

एक भूटानी डिजाइनर डोरोथी गुरुंग, भूटान में वर्ष के अंत में प्रथम भारतीय खादी आउटलेट खोलेगा।

खादी कारीगरों के लिए मोदी सरकार का दिवाली उपहार

केंद्र ने आयात नीति में संशोधन कर राष्ट्रीय ध्वज को निषिद्ध श्रेणी के तहत रखा

नई दिल्ली: वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने खादी कारीगरों के समर्थन में 11 अक्टूबर, 2019 को राष्ट्रीय ध्वज के आयात को 'निषिद्ध श्रेणी' में रखकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। अधिसूचना में कहा गया है कि " भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का आयात, भारतीय ध्वज संहिता-2002 के भाग 1 की धारा 1.2 के तहत निर्धारित विनिर्देशों का पालन नहीं करना निषिद्ध है।"

भारत के ध्वज संहिता 2002 के भाग 1 की धारा 1.2 के अनुसार, भारत का राष्ट्रीय ध्वज-हाथ से बने और हाथ से बुने हुए सूती/ऊन/ रेशम खादी से बना होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित एकमात्र विधिविहित संघठन है, जिसेभारतीय राष्ट्रीय झंडे के निर्माण का अधिकार है। पिछले दो वर्षों से केवीआईसी ने देखा कि राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री में कमी आ रही है। वर्ष 2017-18 के दौरान 3.69 करोड़ रुपए की बिक्री हुई और 2018-19 के दौरान यह घटकर 3.16 करोड़ रु. की बिक्री हुई अर्थात 14 प्रतिशत से अधिक की गिरावट, और 2019-20 से अब तक केवल 1.94 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है।

बिक्री कम हो रही थी इस तथ्य के बावजूद हाल के दिनों में राष्ट्रीय गौरव और जुनून, सामान्य रूप से सार्वजनिक होने के कारण राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग काफी अधिक मात्रा में होने लगा हैं, और लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग देश और विदेश में अपनी भारतीयता की अभिव्यक्ति के रूप में करना शुरू कर दिया है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 16 सितंबर 2019 को माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल को एक पत्र लिखा और इन तथ्यों को उनके ध्यान में लाया गया। उन्होंने लिखा, "राष्ट्रीय ध्वज के उत्पादन और बिक्री में गिरावट आने के कारण न केवल खादी कारीगर अपनी आजीविका के अवसरों को खो रहे हैं, बल्कि नकली झंडे (ज्यादातर प्लास्टिक) का आयात भी भारत के ध्वज संहिता का एक निंदनीय उल्लंघन है।" श्री सक्सेना ने इस पर भी प्रकाश डाला कि "चूंकि नकली झंडे में कोई 'एचएस' कोड नहीं है, इसलिए 'अन्य श्रेणी' के तहत आयात किया जा रहा है, इसलिए आयातित नकली झंडे की सही मात्रा का पता लगाना असंभव हो गया है।" और वाणिज्य मंत्री से अनुरोध किया कि ऐसे झंडे के आयात पर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाए जिससे खादी कारीगरों को लाभ होगा।

इससे पूर्व केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने भी राष्ट्रीय ध्वज के भारी आयात के बारे में चिंता जतायी।

श्री शिवानंद मठपति, सचिव, कर्नाटक खादी ग्रामोद्योग संयुक्त संघ, हुबली, कर्नाटक, जो राष्ट्रीय ध्वज के सबसे बड़े निर्माता में से एक हैं, ने राष्ट्रीय ध्वज के आयात पर रोक लगाने वाली इस अधिसूचना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है, "यह मोदी सरकार का स्वागत योग्य कदम है। जो राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण में शामिल खादी कारीगरों के जीवन में खुशी लाएगा।"

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, "मेरे पास केंद्र सरकार के लिए आभार व्यक्त करने के लिए कोई शब्द नहीं हैं, जिसने मामले का गंभीरता से संज्ञान लिया और बहुत ही कम समय में, आयात नीति में संशोधन किया और निषिद्ध श्रेणी के तहत राष्ट्र ध्वज को रखा गया।"

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि "इस हाल के संशोधन से राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण में लगी खादी संस्थायेँ बहुत खुश हैं और केवीआईसी राष्ट्रीय ध्वज की बढ़ती हुई मांगों को पूरा करने के लिए शीघ्र ही नई इकाइयों की भी स्थापना करेगा"।

अगरबत्ती निर्माताओं ने इस वर्ष सही मायने में दिवाली मनाई

नई दिल्ली: नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के इस वर्ष 29 अगस्त को आयात की 'प्रतिबंधित श्रेणी' के तहत रॉ-अगरबत्ती और अन्य सुगंधित सामग्रियों को रखने के आदेश के पश्चात, भारत में अगरबत्ती निर्माताओं के लिए अच्छे दिन आ गए हैं।

इस बारे में दाऊद खान एच. ने कहा, तमिलनाडु में वेल्लोर जिले में अपनी अगरबत्ती निर्माण इकाई को बंद करने के लिए मजबूर था, "रॉ अगरबत्ती और गोल बांस की स्टिक के आयात ने हमारी रीढ़ को तोड़ दी थी। यह नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किया गया ऐतिहासिक फैसला है, जिसने हमें आशा की किरण दी है। मैंने पिछले महीने ही उत्पादन शुरू कर दिया है और दीवाली की मांग को पूरा करने के लिए 300 मीट्रिक टन अगरबत्ती की आपूर्ति की है और इस वर्ष दिसंबर तक मैं अपनी क्षमता बढ़ाकर 1000 मीट्रिक टन प्रति माह कर दूंगा। वर्तमान में 400 कार्यकर्ता काम कर रहे हैं और इस साल दिसंबर तक 1500 लोग रोजगार प्राप्त करेंगे। यदि खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया होता तो यह हमारी निष्क्रीय (मृत) इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए एक मृगतृष्णा बनी रहती।" सौभाग्यवश, खान की इकाई ने एक समय में उस क्षेत्र के कम से कम 1,500 महिलाओं को रोजगार प्रदान किया है।

गुवाहाटी, असम के एक अन्य अगरबत्ती निर्माता पवन सोनी ने कहा, "मेरे परिवार ने 8 वर्ष पश्चात सच्चे अर्थ में दिवाली मनाई है। मेरा प्लांट संघर्षरत्त था, लेकिन आयात पर प्रतिबंध लगाने के पश्चात, हमने बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए डबल शिफ्ट में उत्पादन शुरू किया है। हमारे पास प्रति माह 700 मीट्रिक टन आपूर्ति करने के ऑर्डर हैं। मैं असम में एक नया बड़ा कारखाना स्थापित कर रहा हूं जो प्रति माह 5000 मीट्रिक टन अगरबत्ती का उत्पादन करेगा और 700 स्थानीय लोगों को रोजगार देगा, जिनमें ज्यादातर महिलाओं को रोजगार प्रदान किया जाएगा।

असम के नवगाँव के एक अन्य अगरबत्ती निर्माता बिक्रम डेका ने कहा, "मैं इस व्यवसाय में बहुत बड़ा नुकसान उठा रहा था और मैं अपने प्लांट को बंद करने की योजना बना रहा था, लेकिन अच्छी खबर आई और अब मेरा प्लांट (सयत्र) पूरी क्षमता से काम कर रहा है। दीवाली की मांग के कारण, इत्र निर्माताओं ने न केवल काफी अधिक ऑर्डर दिए हैं। उन्होंने अग्रिम मांग का भी भुगतान किया जो मैंने इस व्यवसाय के अपने 5 वर्षों में नहीं देखा है। मेरे पास प्रति माह 200 मीट्रिक टन आपूर्ति करने के ऑर्डर हैं।

"रॉ अगरबत्ती निर्माता संघ,जबलपुर के श्री भाटिया भी उतने ही खुश थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के इस फैसले से 6 महीने में कम से कम 5 लाख नए रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी। जबलपुर में उनकी इकाई दीवाली की मांग को पूरा करने के लिए 3 शिफ्टों में काम कर रही है।

प्रथमतः 7 सितंबर 2019 को अखिल भारतीय अगरबत्ती निर्माताओं ने बंगलौर में यह घोषणा की थी, जिसमें कुछ 250 प्रतिभागियों ने प्रतिज्ञा की कि वे छह महीने में कम से कम 5.5 लाख प्रत्यक्ष रोजगार का सृजन करेंगे।

बंगलौर में अगरबत्ती निर्माताओं से भारी प्रतिक्रिया मिलने के पश्चात, केवीआईसी के अध्यक्ष ने पूर्वोत्तर राज्यों में अगरबत्ती इकाइयों का जायजा लेने का फैसला किया। गुवाहाटी और अगरतला की अपनी यात्रा के दौरान श्री सक्सेना ने उस क्षेत्र के अगरबत्ती निर्माताओं पर अपना ध्यान केन्द्रित किया जो भारत के बांस - हब के रूप में जाने जाते हैं यहाँ पर भी भारी मात्रा में बांस स्टिक, आयात के माध्यम से प्राप्त करते थे किन्तु अब आयात पर प्रतिबंध लगाने से इसका अंत हुआ। "यह मेरे लिए वास्तव में एक खुशी का क्षण है कि सरकार के फैसले के बाद श्री सक्सेना ने कहा कि लगभग सभी इकाइयां शुरू हो गई हैं और उनमें से कुछ ने मांग को पूरा करने के लिए तीन शिफ्टों में उत्पादन शुरू कर दिया है।

उत्तर-पूर्व के बाद, केवीआईसी के अध्यक्ष ने 18 सितंबर को गुजरात का दौरा किया, वहां अगरबत्ती निर्माताओं से मुलाकात की। गुजरात अगरबत्ती निर्माता और डीलर्स एसोसिएशन (जीएएमडीए) - एक संगठन जिसमें 1,500 मैन्युफैक्चरर्स, डीलर और परफ्यूमर्स शामिल हैं- के सचिव श्री भाविक शाह ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में अगरबत्ती उद्योग को जीवन दिया है, रॉ-अगरबत्ती और रॉ-बांस स्टिक के अधिकतम मात्रा में आयात के कारण इस उद्योग ने अपना आस्तिव खो दिया था। अध्यक्ष महोदय ने बताया कि "जीएएमडीए" के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपने उत्पादन को दोगुना करने का संकल्प लिया है।"

देश के सभी कौनों से अगरबत्ती उद्योग की इन भारी प्रतिक्रिया ने आयातकों के समूह द्वारा बनाए गए मिथक को समाप्त कर दिया है, जो दावा कर रहे थे कि भारत में अगरबत्ती उत्पादन में आत्म-निर्भर होने की क्षमता नहीं है। "इस दीवाली में अगरबत्ती की कमी होने से अगरबत्ती की कीमतों में बढ़ोतरी होगी।" श्री सक्सेना ने कहा, जब देश 2011 में आयात के वगैर प्रति दिन 1,173 मैट्रिक टन अगरबत्ती की मांग को पूरा करने में सक्षम था, तो यह 2019 में 1390 मैट्रिक टन उत्पादन की मांग को पूरा क्यों नहीं कर सकता है जोकि नौ साल पहले की तुलना में 200 मीट्रिक अधिक है? यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के तुरंत बाद, अगरबत्ती आयातकों का एक समूह अफवाह फैला रहा था कि भारतीय निर्माता मांग को पूरा नहीं कर सकते हैं एवं दिवाली के दौरान बाजार में अगरबत्ती की भारी कमी होगी, जिससे मूल्य में वृद्धि होगी और सरकार के साथ सार्वजनिक हित में आयात की अनुमति देने की पैरवी कर रहे थे। • • •

आयोग को गेल से लगभग 6 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर.....

(पृष्ठ 11 से आगे)

से 14,064 कर्मचारियों के लिए खादी उपहार कूपन के स्वरूप में 7.03 करोड़ रुपये से अधिक का ऑर्डर मिला है। ओआईएल ने देश भर में अपनी सभी इकाइयों में कार्यरत 14,064 कर्मचारियों में से प्रत्येक को 5,000 रुपये के खादी कूपन देने पर सहमति व्यक्त की। हालांकि, कर्मचारी 5,000 रुपये के कूपन से 6,500 रुपये मूल्य तक के खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की खरीदी कर सकेंगे।

बता दें है कि भारतीय रेलवे जैसे कई सरकारी संगठनों ने हाल ही में पर्यावरण अनुकूल खादी उत्पादों को बढ़ावा देने में अपनी गहरी रुचि दिखाई है। जनवरी, 2019 वर्ष में केवीआईसी को उत्तर पश्चिम रेलवे (जयपुर), उत्तर मध्य रेलवे (इलाहाबाद) और उत्तर रेलवे (दिल्ली) ने लिनेन की वस्तुओं की खरीदी करने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों की त्वरित प्रतिक्रिया में ऑर्डर दिया था जो खादी डस्टर और हरे / लाल झंडे की आपूर्ति के लिए केवीआईसी को लगभग 12.40 करोड़ रु. का ऑर्डर मिला था।

तत्पश्चात, 25 मार्च, 2019 को, केवीआईसी ने कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्टरी से 1.25 करोड़ रुपये के डीटी और डस्टर की आपूर्ति करने का ऑर्डर प्राप्त किया। उसी दिन, केवीआईसी ने उत्तर-पश्चिम रेलवे, जयपुर से 1.65 करोड़ रुपये के डस्टर की आपूर्ति करने का ऑर्डर प्राप्त किया। • • •

प्रेस कवरेज

Money Bhaskar
Yesterday at 15:13

सभी खादी स्टोर में अन्य वस्तुओं पर 20 फीसदी की छूट। सेल आज से शुरू, अगले 40 दिनों तक रहेगी यह छूट

MONEY BHASKAR.COM
खादी सेल /गांधी धोती एवं टोपी के साथ मोदी कुर्ता पर भी 40 फीसदी की छूट

एक दिन में खादी की बिक्री का नया रिकॉर्ड बना, एक स्टोर ने बेचा एक करोड़ 27 लाख रुपये का माल

Financial Express October 04, 2019

File Photo

एक दिन में अब तक की खादी की सबसे बम्पर सेल दो अक्टूबर को हुई। खादी के अब तक के इतिहास में एक दिन के भीतर इतनी बिक्री कभी नहीं हुई। ये रिकॉर्ड खादी इंडिया ग्रामोद्योग भवन कनॉट प्लेस ने बनाया दो अक्टूबर को खादी की इस ब्रांच ने 127 लाख 57 हज़ार की बिक्री की। इससे पहले पिछले साल 17 नवंबर को 102 लाख 72 हजार की सेल हुई थी।

Millennium Post, Delhi
Tuesday, 22nd October 2019; Page: 2
Width: 24.67 cms; Height: 48.16 cms; a3; ID: 2.2019-10-22.18

KVIC takes initiatives to create job opportunities in Goa

OUR CORRESPONDENT

The Goa Government along with Khadi and Village Industries Commission (KVIC) have joined hands to generate employment opportunities in Goa. Few months back, Goa Chief Minister Pramod Sawant in a meeting with KVIC Chairman Vinai Saxena, had discussed various job opportunities through KVIC schemes.

Known for its picturesque beaches, natural landscapes and a preferred destination for both national and international tourists, KVIC in a short span of two months, identified beneficiaries from various villages such as Morjim, Old Goa, Panjim, Bicholim, Sakhali, Mappusa, Dabbal and Madgaon and organised trainings in pottery, bee keeping, spinning and papad making. The move will assist the locals and help in creation of jobs.

The Chief Minister of Goa along with the KVIC Chairman on October 19, jointly distributed electric potter wheels to 160 families and new models Charkhas (spinning wheels) to 50 trained women.

This will create direct employment for 700 people. KVIC is also establishing a *Lijjat Papad* unit in Goa, which will create 200 direct jobs for local women.

On this occasion the Chief Minister interacted with a batch of 50 women who were recently trained in papad making.

KVIC Chairman Vinai Saxena said that the Commission will create 10,000 new jobs in the current financial year, in Goa

It may be noted that these initiatives are first of its kind in Goa because there was no spinning and weaving activity, no Lijjat Papad unit. KVIC has already helped 1,000 people to get employment with these initiatives.

Saxena said that KVIC will create 10,000 new jobs in the current financial year in Goa. Sawant expressed his happiness and thanked KVIC for taking these unique initiatives for creating job opportunities in a record time.

The KVIC also participated in the vibrant Goa event as partner and put up 30 stalls to showcase various Khadi and Village Industries products from across the country. During the three-day event, record sale of Rs 60 Lakhs was reported.

सकाळ

मुंबई : विलेपार्लेतील खादी आणि ग्रामोद्योग आयोगाच्या वतीने महात्मा गांधी जयंतीनिमित्त 'खादी फेस्ट'चे आयोजन करण्यात आले आहे. १ नोव्हेंबरपर्यंत महोत्सव सुरू राहणार आहे. त्यानिमित्त आयोजनाच्या आवारात साबरमती आश्रमाची प्रतिकृती तयार करण्यात आली असून त्यातील गांधीजींच्या पुतळ्याला न्याहाळताना चिमुरडी. (छायाचित्र : विजय बाटे)

Mumbai, Mumbai Today
03/10/2019 Page No. 3

प्रेस कवरेज

KVIC to go all out to showcase Mahatma Gandhi's legacy

G. Subramanian

Mumbai: Preeta Verma, Chief Executive Officer Khadi and Village Industries Commission (KVIC) announced a pan India celebration to commemorate the 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi. Speaking to G Subramanian on sidelines of inauguration of one-month long celebrations in Mumbai, she said that KVIC will leave no stone unturned to promote the theme that was founded by Mahatma Gandhi. "There is no bar on spending as he is the father of our nation. We will make our presence felt in 40 of the centers we have across states. In addition there will be six exhibitions to promote awareness about our works."

The KVIC had earlier announced its intentions to celebrate the 150th anniversary of the Mahatma in a unique way. KVIC has planned to create a replica of Sabarmati Ashram in its premises at Mumbai. This theme show which has commenced on October 2 will last till November 1. It may be recalled that the Ashram was home to Mahatma Gandhi from 1917 to 1930 and acted as the epicenter of the nationwide freedom movement spearheaded by the Mahatma.

Another of the hallmarks connected to Sabarmati is that the Mahatma launched the Dandi march from here on March 12, 1930. The celebration in Mumbai will last for one month and people wanting to buy KVIC products can avail of 20 to 40 percent discount on their purchase for a span of 40 days. Premier Khadi institutions and PMEGP units are participating in the activities that will be conducted to promote sale of exclusive Khadi products. **www.forevernews.in**

Wednesday, 2 October 2019

Khadi commission celebrates Mahatma Gandhi's 150th birth anniversary

Khadi and Village Industries Commission celebrates Mahatma Gandhi's 150th birth anniversary year in a unique way

As the whole country is gearing to celebrate 'Father of the Nation' 150th birth anniversary year, KVIC is celebrating Mahatma Gandhi's 150th Birth Anniversary by creating replica of Sabarmati Ashram in its premises while organizing KHADI FEST -2019 in Mumbai from 2nd October to 1st November 2019. Sabarmati Ashram was home to Mahatma Gandhi from 1917 until 1930 and the Ashram served as epicenter of the country's freedom struggle during Mahatma Gandhi stay there. Mahatma Gandhi launched the famous Dandi march from the ashram on March 12, 1930.

Inaugurating this unique exhibition Ms. Preeta Verma, Chief Executive Officer KVIC said, the institute established by Gandhiji in 1925 in the form of All India Spinners Association has taken an enormous form of Khadi and Village Industries Commission. Speaking further she said that Gandhiji was the only persona who was not only relevant in his times but is equally relevant today. "Let us all imbibe the ideals of Mahatma and search for the Gandhi within us. Together we can fulfill the dreams of the Mahatma in letter and Spirit. Join us in our endeavour for increasing rural employment and upliftment of Villages through the auspices of KVIC" . She added.

As a part of celebrations commemorating 150th Birth Anniversary year of Mahatmaji, various events are arranged at Mumbai, Porbandar, Sabarmati,Wardha,Champaran and Delhi commencing from 2nd October. The mega event in Mumbai is for a period of one month, with a

प्रेस कवरेज

State Khadi office, Village Industries Commission celebrates Gandhi Jayanti

DIRECTOR of State Khadi and Village Industries Commission S S Tribhuvan paid floral tributes at the office of State Khadi and Village Industries Commission on the portrait of Mahatma Gandhi on the occasion of 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi, on Wednesday.

Director of State Khadi and Village Industries Commission S S Tribhuvan paying tributes.

Mahatma Gandhi's favourite bhajan was sung on the occasion.

A cleanliness drive was carried out by the staffs and officers on the occasion. The officers and employees were motivated to follow the ideals of Mahatma Gandhi in their life.

KVIC bags ₹5.8 crore order from GAIL

GAIL to gift khadi coupons to its employees

PNS ■ NEW DELHI

The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has bagged an order worth ₹5.88 crore from the Gas Authority of India Limited (GAIL), in the form of Khadi gift coupons for its 23,504 employees.

GAIL agreed to gift Khadi coupons of ₹2,500 to each of its 23,504 employees in all its units across the Nation. The employees, however, would be able to purchase Khadi and products of Village Industries worth ₹3,250 from the coupon of ₹2,500. The coupons could be redeemed throughout the year at all Departmental Sales Outlets of KVIC.

To give easy access to the employees of GAIL to redeem their coupons, KVIC will organize 3 special exhibitions also, at Pata, District Etawah, Vijaypur, District Guna and Jhabua, in Madhya Pradesh where the GAIL have their maximum employees. The MOU has been signed between KVIC and GAIL on 10th October 2019. KVIC will deliver the coupon this week.

KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena said that such huge orders from government and PSUs not only increase the income of the artisans — pivotal in the growth of Khadi sector, but also inspires new entrepreneurs to associate with Khadi with better job avenues.

"Orders in recent past from GAIL,

ONGC, REC, IOC, MRPL, OIL, JK Cement and BEE have been implemental in making a compounding effect on the livelihood of Khadi artisans and have been creating more jobs by adding thousands of new artisans in KVIC's kitty," he said, adding, "These orders will certainly create more employment and subsequently raise the income of the existing artisans. It would also pave way for KVIC for more convergence with different Ministries and Public Sector Units."

For the first time, The KVIC launched gift coupon scheme in 2017 and till date gift coupons of face value worth ₹89.29 Crores have been sold which is a record in itself and also an indication that the people have started adopting Khadi in place of other international brands.

Corp. Diary | www.forevernews.in email : info@forevernews.in | FOREVER NEWS

KVIC to go all out to showcase Mahatma Gandhi's legacy

G. Subramaniam

Mumbai: Preeta Verma, Chief Executive Officer Khadi and Village Industries Commission (KVIC) announced a pan India celebration to commemorate the 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi. Speaking to G Subramanian on sidelines of inauguration of one month long celebrations in Mumbai, she said that KVIC will leave no stone unturned to promote the theme that was founded by Mahatma Gandhi. "There is no bar on spending as he is the father of our nation. We will make our presence felt in 40 of the centers we have across states. In addition there will be six exhibitions to promote awareness about our works."

The KVIC had earlier announced its intentions to celebrate the 150th anniversary of the Mahatma in a unique way. KVIC has planned to create a replica of Sabarmati Ashram in its premises at Mumbai. This theme show which has commenced on October 2 will last till November 1. It may be recalled that the Ashram was home to Mahatma Gandhi from 1917 to 1930 and acted as the epicenter of the nationwide freedom movement spearheaded by the Mahatma.

Another of the hallmarks connected to Sabarmati is that the Mahatma launched the Dandi march from here on March 12, 1930. The celebration in Mumbai will last for one month and people wanting to buy KVIC products can avail of 20 to 40 per cent discount on their purchase for a span of 40 days. Premier Khadi institutions and PMEGP units are participating in the activities that will be conducted to promote sale of exclusive Khadi products. www.forevernews.in

KVIC celebrates 150th Gandhi Jayanti in a unique way

KVIC will be providing 40% discount on Khadi Kurta, Gandhi Topi and Dhoti and 20% discount on other Khadi and Village Industries products for a period of 40 days through our Direct Sales Outlets, reports Vinod Raghavan

■ MUMBAI

As the whole country is celebrating Mahatma Gandhi's 150th birth anniversary year, Khadi and Village Industries Commission (KVIC) is celebrating Mahatma Gandhi's 150th Birth Anniversary by creating replica of Sabarmati Ashram in its premises while organising KHADI FEST - 2019 in Mumbai from 2nd October to 1st November 2019.

Sabarmati Ashram was home to Mahatma Gandhi from 1917 until 1930 and the Ashram served as epicentre of the country's freedom struggle during Mahatma Gandhi's stay there. He launched the famous Dandi march from the ashram on March 12, 1930.

Inaugurating this unique exhibition Preeta Verma, Chief Executive Officer KVIC said, the ashram established by Gandhiji in 1923 is the home of All India Spinners Association has taken an enormous form of Khadi and Village Industries Commission. Speaking further she said that Gandhiji was the only person who was not only relevant in his times but is equally relevant today. "Let us all imbibe the ideals of Mahatma and search for the Gandhi within us. Together we can fulfill the dreams of the Mahatma in letter and Spirit. Join us in our endeavour for increasing rural employment and upliftment of Villages through the medium of KVIC," she added.

As a part of celebrations commemorating 150th Birth Anniversary year of Mahatma Gandhi, various events are arranged at Mumbai, Porbandar, Sabarmati, Wardha, Champaran and Delhi commencing from 2nd October. The mega event at Mumbai is for a period of one month with a theme based stage exhibition showcasing Gandhiji and Khadi, demonstration of Khadi & VI products/activities, sales of exclusive KVI products. Premier Khadi Institutions & PMEGP units are participating in the same and live demonstration of village industries activities/process/ state technology contributing to the cause.

On this occasion of Gandhi 150, KVIC will be providing 40% discount on Khadi Kurta, Gandhi Topi and Dhoti and 20% discount on other Khadi and Village Industries products for a period of 40 days through our Direct Sales Outlets.

From beach clean-up to khadi fest, city honours the Mahatma

Interactive installation in Fort urges people to walk Mahatma's path; KVIC creates Sabarmati Ashram replica at Vile Parle; volunteers team up to clean Versova beach

BHUMIKA PRUTHI
MUMBAI

The city marked the 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi on Wednesday with a variety of initiatives and events, from an interactive installation in Bapu's voice in Fort, a clean-up drive by nearly 1,500 students at Versova beach and a replica of Sabarmati Ashram put up at a Khadi Fest in Vile Parle.

At Mahatma Gandhi Road, a two-day interactive installation was witnessed by over 500 people. An initiative by Tata Salt, the installation saw people being urged to walk Bapu's path. It reinforced the message of 'Cleanliness is next to Godliness.' Gaurav Pethe, who came up with the installation, said it had a screen board and four sensors with facial detection capability. So every time someone passed by, that the 35-second interaction started by saying, "How are you?"

Since the installation was on Mahatma Gandhi Road, the message from Bapu was, "You cross this road every day, but are you even following my path?" said Mr. Pethe.

The interactive screen had three different backgrounds, that of a wall full of tobacco stains, railway tracks and a beach littered with garbage. And as one looked into Bapu's eyes, the visual of the littered beach slowly transformed into a clean beach.

Focus on sanitation

Sagar Boke, head of marketing, consumer product business, Tata Chemicals Ltd. said the initiative was the company's homage to the Father of the Nation. The installation, with interactive images and sounds, will help bring alive his thoughts and words on cleanliness and sanitation for all, he said. "We hope the initiative will instil in each one the aspiration to be a torchbearer for a cleaner nation."

> Let us all imbibe the ideals of the Mahatma and search for the Gandhi within us
>
> PREETA VERMA
> Chief executive officer, KVIC

At Vile Parle, the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) celebrated Gandhi Jayanti by creating a replica of Sabarmati Ashram at its Khadi Fest 2019, being held in Mumbai till November 1.

Preeta Verma, chief executive officer, KVIC said, while inaugurating the exhibition, "Let us all imbibe the ideals of the Mahatma and search for the Gandhi within us. Together, we can fulfil the dreams of Bapu in letter and spirit. Join us in our endeavour for increasing rural employment and upliftment of villages through the auspices of KVIC."

'Inculcate values'

In the morning, over 1,500 students studying at ALLEN Career Institute, along with 200 staff members, participated in a clean-up drive at Versova beach.

The students and staff members joined Afroz Shah, UN Environment's Champion of the Earth, in the drive with the theme #SwachhBharatAbhiyan.

"I am proud that our Mumbai team participated in huge numbers for the clean-up," said Brajesh Maheshwari, director of ALLEN Career Institute. "It is the third year that a large number of students have participated by cleaning various public places. This is just a small step to inculcate great values among our students to make them responsible citizens and make our country a better place to live in."

During the drive, plastic waste was collected and handed over to the municipal authorities for disposal.

All the team members and students were provided with gloves. Among 3,000 other volunteers who joined Mr. Shah were Central Reserve Police Force jawans, probationary officers and employees of the Indian Oil Corporation Ltd., officials of Export-Import Bank of India and others.

Meanwhile, the Confederation of Indian Industry on Wednesday organised a 'Plogging Run' at Juhu beach, which involved running for 3 km or more while collecting plastic waste at the beach.

प्रेस कवरेज

KVIC celebrates Mahatma Gandhi's 150th birth anniversary year in a unique way Inaugurated by Ms. Preeta Verma, CEO KVIC in Mumbai

ENTER, IRLA, VILEPARLE, MUMBAI

TOPICS:

"KHADI FEST -2019 In Mumbai From 2ndOctober To 1stNovember 2019"

#KVIC - Khadi And Village Industries Commission

#Mahatma Gandhi (150th Birth Anniversary)

10/4/2019 KVIC celebrates Mahatma Gandhi's 150th birth anniversary year in a unique way Inaugurated by Ms. Preeta Verma, CEO KVIC in M...

2019 KVIC celebrates Mahatma Gandhi's 150th birth anniversary year in a unique wa

प्रेस कवरेज

launched the famous Dandi march from the ashram on March 12, 1930.

Inaugurating this unique exhibition Ms. Preeta Verma, Chief Executive Officer KVIC said, the institute established by Gandhiji in 1925 in the form of All India Spinners Association has taken an enormous form of Khadi and Village Industries Commission. Speaking further she said that Gandhiji was the only persona who was not only relevant in his times but is equally relevant today. "Let us all imbibe the ideals of Mahatma and search for the Gandhi within us. Together we can fulfill the dreams of the Mahatma in letter and Spirit. Join us in our endeavour for increasing rural employment and upliftment of Villages through the auspices of KVIC", She added.

As a part of celebrations commemorating 150th Birth Anniversary year of Mahatmaji, various events are arranged at Mumbai, Porbandar, Sabarmati, Wardha, Champaran and Delhi commencing from 2nd October. The mega event in Mumbai is for a period of one month, with a theme based mega exhibition showcasing Gandhiji and Khadi, demonstration of Khadi & VI products/activities, sales of exclusive KVI products. Premier Khadi Institutions & PMEGP units are participating in the same and live demonstration of village industries activities/process/ status technology contributing to the cause.

On this occasion of Gandhi 150, KVIC will be providing 40% discount on Khadi Kurta, Gandhi Topi and Dhoti and 20% discount on other Khadi and Village Industries products for a period of 40 days through our Direct Sales Outlets. **ENDS**

FOR MORE PHOTOS VISIT:

www.facebook.com/globalprimenews

❮ Previous post   Next post ❯

MUMBAI, OCT 02 (UNI)- Preeta Verma, Chief Executive Officer and Mohit Jain, Chief Vigilance officer at KVIC (Khadi and Village Industries Commission) during inauguration the Khadi Festival - 2019 on Mahatma Gandhi's 150th Birth Anniversary, in Mumbai on Wednesday. UNI PHOTO-158U

KVS schools consider switch to khadi

BASANT KUMAR MOHANTY

New Delhi: The nearly ... lakh pupils at schools run by the Kendriya Vidyalaya Sangathan might go to class in khadi, if a proposal to switch from the synthetic fabrics now used in their uniforms is cleared.

The central government-funded KVS, which runs 1,2.. schools in India and abroad, is considering the change after parents complained that the synthetic fabric was causing discomfort to their children. The KVS uniform is check shirts with skirts or trousers.

"Synthetic cloth is not good for health. It has to change. We have set up a committee which is considering either cotton or khadi," KVS commissioner Santosh Mall said.

The committee wants to be assured of the availability of khadi in all areas and has scheduled a meeting with officials of the Khadi and Village Industries Commission.

Commission chairman Vinai Kumar Saxena said the supply of khadi would not be a problem.

"Availability is not an issue. We are ready to provide as much cloth as any region needs. It's a big help for our artisans," Saxena said.

Saxena said that educational institutions were increasingly using khadi for their convocation attire. The University Grants Commission had written to all the universities in 2016 to adopt khadi for their convocations.

विद्यार्थियों में बापू जी के जीवन, उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा लेने का आग्रह करते हुए देश ... समृद्ध और विकसित भारत का सपना देखा था, आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वह सपना ... प्राणियों के लिए प्रेम और अहिंसा ही उत्पीड़न, कट्टरता और घृणा को हराने का एकमात्र तरीका है।"

केवीआईसी खादी उत्सव के साथ महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहा है

मुंबई (संवाददाता)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा अपने विले पार्ले परिसर में साबरमती आश्रम की प्रतिकृति बनाकर मना रहा है। महात्मा गांधी ने 12 मार्च 1930 को इस आश्रम से प्रसिद्ध दांडी मार्च का शुभारंभ किया था।

साथ ही केवीआईसी ने मुंबई में खादी उत्सव 2019 का आयोजन किया है जो 2 अक्टूबर से 1 नवंबर 2019 तक चलेगा। इस अनूठी प्रदर्शनी का उद्घाटन केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने मुख्य सतर्कता अधिकारी मोहित जैन और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

साबरमती आश्रम साल 1917 से 1930 तक महात्मा गांधी का घर था और गांधी के यहां रहने के दौरान देश की आजादी की लड़ाई के उपरिकेंद्र के रूप में काम करता था। प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने कहा, इस खादी एक्सपो गांधीजी और खादी पर आधारित एक थीम पर आधारित प्रदर्शनी है, जिसमें पूरे भारत के खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का प्रदर्शन और विशेष केवीआईसी उत्पादों, जैसे हाथ से बुने हुए कपड़े, चमड़े के बैग की बिक्री के लिए 50 स्टाल शामिल है।

प्रीमियर खादी संस्थाएँ और इकाइयाँ यहां भाग में भाग ले रही हैं और गांव की गतिविधियों / प्रक्रिया / स्थिति में योगदान देने वाली प्रौद्योगिकी का लाइव प्रदर्शन कर रही है।

... the category of Classical & Light Music, Classical & Folk Dance and One Act Plays. It was attended in large numbers by Railway Officers, Staff & their families.

KVIC celebrates Mahatma Gandhi's 150th birth anniversary year

Khadi and Village Industries Commission celebrates Mahatma Gandhi's 150th birth anniversary year in a unique way. As the whole country is gearing to celebrate Father of the Nation 150th birth anniversary year KVIC is celebrating Mahatma Gandhi's 150th Birth Anniversary by creating replica of Sabarmati Ashram in its premises while organizing KHADI FEST -2019 in Mumbai from 2nd October to 1st November 2019. Inaugurating this unique exhibition Ms. Preeta Verma, CEO KVIC said, the institute established by Gandhiji in 1925 in the form of All India Spinners Association has taken an enormous form of KVIC. Speaking further she said that Gandhiji was the only persona who was not only relevant in his times but is equally relevant today. "Let us all imbibe the ideals of Mahatma and search for the Gandhi within us. Together we can fulfill the dreams of the Mahatma in letter and Spirit. Join us in our endeavour for increasing rural employment and upliftment of Villages through the auspices of KVIC", She added. As a part of celebrations commemorating 150th Birth Anniversary year of Mahatmaji, various events are arranged at Mumbai, Porbandar, Sabarmati, Wardha, Champaran and Delhi commencing from 2nd October. On this occasion of Gandhi 150, KVIC will be providing 40% discount on Khadi Kurta, Gandhi Topi and Dhoti and 20% discount on other Khadi and Village Industries products for a period of 40 days through our Direct Sales Outlets.

Reader Initiative Programme

स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए खादी इंडिया से खरीदें कपड़े

राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी का राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल ने किया उद्घाटन

प्लास्टिक से अछूती नहीं प्रदर्शनी

गणेश लक्ष्मी की मूर्ति भी बेचेगा खादी आश्रम

बोतलें, कप, लैंप बिकेंगे, इस दीपावली लोग खरीद सकेंगे खादी भंडारों से उत्पाद

खादी आश्रम में 'मिट्टी मैजिक'

पहल

कश्मीर, राजस्थान के खादी उत्पाद भी लुभा रहे

वाराणसी
बोतलें, कप, लैंप बिकेंगे, इस दीपावली लोग खरीद सकेंगे खादी भंडारों से उत्पाद
खादी आश्रम में 'मिट्टी मैजिक'

इस वर्ष खादी और ग्रामोद्योग आयोग महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती वर्ष को एक अनोखे वर्ष के रूप में मना रहा है।

मुंबई, जैसा कि पूरा देश राष्ट्रपिता की 150 वीं जयंती वर्ष वर्ष के रूप में मना रहा है, इसी क्रम में खादी और ग्रामोद्योग आयोग 2 अक्टूबर से 1 नवंबर 2019 तक मुंबई स्थित अपने मुख्यालय परिसर में चलने वाले खादी फेस्ट -2019 के दौरान महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती को साबरमती आश्रम की प्रतिकृति बनाकर मना रहा है। महात्मा गांधी 1917 से 1930 तक साबरमती आश्रम में ही रहा करते थे। यह आश्रम महात्मा गांधी के वहां रहने के दौरान देश के स्वतंत्रता संग्राम के केंद्र के रूप में काम करता था। गांधी जी ने 12 मार्च, 1930 को आश्रम से ही प्रसिद्ध दांडी मार्च की शुरूआत की थी।

इस अनूठी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए सुश्री प्रीता वर्मा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी केवीआईसी ने कहा कि, खादी और ग्रामोद्योग आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने इस अनूठी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि गांधी जी द्वारा 1925 में अखिल भारतीय स्पिनर्स एसोसिएशन के रूप में स्थापित संस्थान ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग का एक विशाल रूप ले लिया है। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि गांधीजी एकमात्र व्यक्ति थे जो न केवल अपने समय में प्रासंगिक थे, बल्कि आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। "हम सभी महात्मा के आदर्शों को आत्मसात करें और हमारे भीतर के गांधी की खोज करें। हम मिलकर महात्मा के सपनों पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि केवीआईसी के तत्वावधान में ग्रामीण रोजगार बढ़ाने और गांवों के उत्थान के लिए सभी हमारे प्रयास में शामिल हों।

महात्माजी की 150 वीं जयंती वर्ष के रूप में मनाने के एक भाग के रूप में, मुंबई समेत देश के 6 अन्य स्थानों पोरबंदर, साबरमती, वर्धा, चंपारण तथा दिल्ली में 2 अक्टूबर से प्रदर्शित आयोजित की जा रही हैं। मुंबई में यह मेगा इवेंट एक महीने की अवधि तक चलेगा, जिसमें गांधीजी और खादी पर आधारित एक थीम पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है, इस प्रदर्शनी में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों / गतिविधियों का प्रदर्शन, विभिन्न खादी ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री शामिल है। प्रीमियर खादी कम्पनी और पीएमईजीपी इकाइयां इस प्रदर्शनी भाग ले रही है और ग्रामीण गतिविधियों / प्रक्रिया / स्थिति में उपयोग होने वाली प्रौद्योगिकी का जीवंत प्रदर्शन कर रही हैं।

गांधी 150 के इस अवसर पर, KVIC अपने प्रत्यक्ष बिक्री आउटलेट के माध्यम से 40 दिनों की अवधि के लिए खादी कुर्ता, गांधी टोपी और धोती पर 40% और अन्य खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों पर 20% छूट प्रदान करेगा।

प्रेस कवरेज

प्रेस कवरेज

'सीबीएसई'च्या शाळांमध्ये आठवड्यातून एकदा खादीचा पोशाख

प्रतिनिधी, मुंबई

स्टेशनों पर मिट्टी के बर्तन में मिलेगा खाना व चाय

एनसीसी ने चलाया अभियान एकत्र किया प्लास्टिक कचरा

As the world celebrated the 150th birth anniversary of Mahatma ... look at khadi, the home-spun fabric that is a fashion favourite

Khadi to me is the symbol of unity of Indian humanity, of its economic freedom and equality and, therefore, ultimately, in the poetic expression of Jawaharlal Nehru, 'the livery of India's freedom.'
— Mahatma Gandhi

Shikha.Shah@timesgroup.com

Yes, khadi has always been more than just a piece of cloth. The handspun and handwoven fabric is a feeling, an emotion and a symbol of India's freedom struggle, textile heritage and ...

... wears it and supports the weavers of our country," says actor Freddy Daruwala.

POWER DRESSING IN KHADI

Today, the essence of power dressing lies in embracing our traditions, culture and weaves. "What you wear definitely makes an impact on how you feel. If you are wearing handcrafted clothes, it affects the way you think, feel and do things. For me, a khadi *jamdani* sari is the zenith of a power ensemble. Power not only to the one who's wearing it but also ...

QUICK
To get used ...

खादी की यूनिफार्म में दिखेंगे केंद्रीय विद्यालयों के बच्चे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : देश भर के केंद्रीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे आने वाले दिनों में खादी की यूनिफार्म में नजर आएंगे। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने फिलहाल अपने स्कूलों के यूनिफार्म में बदलाव की योजना बनाई है। इस पर तेजी से काम भी शुरू कर दिया है। पिछले दिनों इसे लेकर खादी इंडिया के साथ बैठक भी की है। ऐसे में माना जा रहा है कि नई यूनिफार्म के रंग-रूप को लेकर जल्द ही कोई अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

सारा देश जब महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहा है, तो केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से उन्हें यह श्रद्धांजलि होगी। वैसे भी केंद्रीय विद्यालय की मौजूदा यूनिफार्म के रंग और कपड़े को लेकर अभिभावकों को शुरू से ही आपत्ति रही है। वह इसमें जल्द ही पसीने की बदबू आने की शिकायत करते हैं।

1200 केंद्रीय विद्यालय हैं देश में इस समय

कवायद

- केंद्रीय विद्यालय संगठन ने मौजूदा ड्रेस में बदलाव की बनाई योजना
- जल्द यूनिफार्म को दिया जाएगा अंतिम रूप

मौजूदा यूनिफार्म को 2012 में मंजूरी दी गई थी। इससे पहले इन स्कूलों की यूनिफार्म सफेद सूती कपड़े की शर्ट और नीली पैंट होती थी। यूनिफार्म में उस समय यह बदलाव निफ्ट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी) की सिफारिश के बाद लागू किया गया था। केंद्रीय विद्यालय संगठन से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक यूनिफार्म को खादी में तैयार कराने को लेकर खादी इंडिया के साथ बातचीत चल रही है।

साबरमती आश्रम की प्रतिकृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग 2 अक्टूबर से 1 नवंबर तक मुंबई स्थित मुख्यालय में साबरमती आश्रम की प्रतिकृति बना कर महात्मा गांधी की जयंती मना रहा है. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीता वर्मा ने कहा कि गांधी एकमात्र व्यक्ति थे जो न केवल अपने समय में प्रासंगिक थे, बल्कि आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं. मुंबई में यह मेगा इवेंट एक महीने की अवधि तक चलेगा, जिसमें गांधीजी और खादी पर आधारित एक थीम पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है. गांधी 150 के इस अवसर पर, केवीआईसी अपने प्रत्यक्ष बिक्री आउटलेट के माध्यम से 40 दिनों की अवधि के लिए खादी कुर्ता, गांधी टोपी और धोती पर 40 प्रतिशत और अन्य खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों पर 20 प्रतिशत छूट दे रहा है.

प्रेस कवरेज

...लो अब खुल गया जूतों का भी ब्यूटी पार्लर

आपने महिलाओं व पुरूषों के लिए तो बहुत सारे ब्यूटी पार्लर देखे होंगे पर जूते-चप्पलों का शायद नही। मगर दिल्ली का दिल कहे जाने वाले कनॉट प्लेस में आपको जूतों का ऐसा ब्यूटी पार्लर मिल जाएगा जिसे देख आप रुकने को मजबूर हो जाएंगे • संजय

फास्ट न्यूज

चारबाग में अब कुल्हड़ में भी चाय

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ: चारबाग स्टेशन पर बुधवार से कुल्हड़ में चाय मिलने लगी है। चाय की कीमत महज 10 रुपये रखी गई है। चारबाग के अलावा मंडल के सुलतानपुर, अयोध्या, फैजाबाद, वाराणसी व अमेठी सहित मंडल के 25 स्टेशनों कुल्हड़ में चाय मिलेगी।

निर्भय पथिक मुंबई, गुरुवार, 3 अक्तूबर, 2019

गांधी की 150 वीं जयंती पर मुंबई में खादी फेस्ट

अब टाइटन घड़ियों पर भी चमकेगी खादी

नवीन कुमार

Khadi pavilion gets the thumbs up

VIBRANT GOA
GLOBAL EXPO & SUMMIT 2019

TEAM B&C / NT

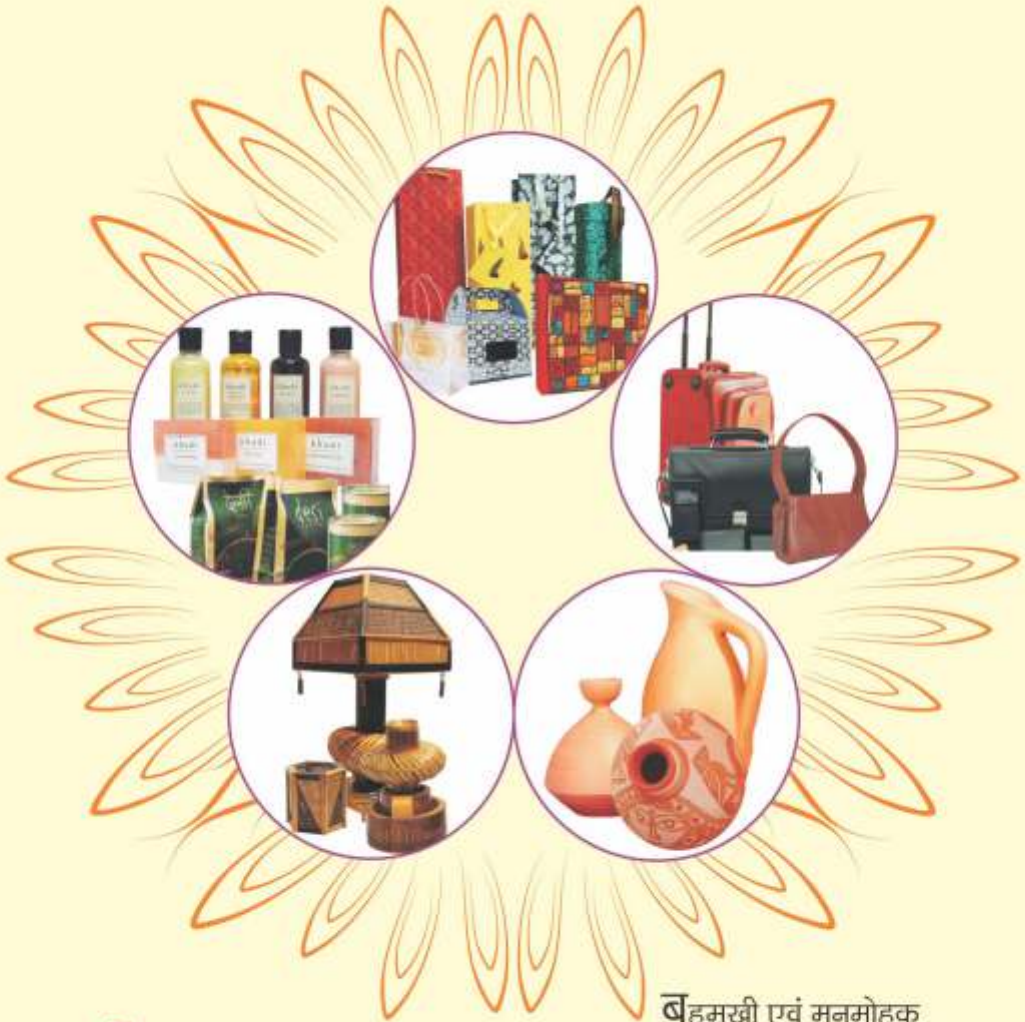

पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकूल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

Khadi India

"भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं"